an>

Title: Need to send central teams to assess the drought situation in districts of Bundelkhand region of Madhya Pradesh and Uttar Pradesh and take suitable action including waiving of loans of farmers.

डॉ. वीरेन्द्र कुमार (टीकमगढ़) ः इस वर्ष बारिश के मौसम में देश के कई राज्यों में अभी तक बहुत कम वर्षा हुई है तथा कई राज्य बिल्कुल भी बारिश नहीं होने से सूखे की चपेट में आ गए हैं। मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड क्षेत्र सूखे की मार से ग्रसित होने के कारण जहां एक ओर किसानों के समक्ष गंभीर संकट खड़ा हो गया है, वहीं पीने के पानी की समस्या भी विकराल रूप धारण कर चुकी है। लोग पानी और रोज़गार की तलाश मे पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं।

इस प्राकृतिक आपदा से किसान बहुत व्यथित हैं तथा उनका जीवन दयनीय हो गया है जिसके परिणामस्वरूप अपना ऋण न चुका पाने की वजह से किसान आत्महत्या जैसा कदम उठा रहे हैं। देश के गरीब और भूमिहीन किसान अक्सर ऋण लेकर कृषि में निवेश करते हैं परन्तु दुर्भाग्यवश जब प्राकृतिक आपदा आती है तो उनके उधार लिए गए कर्ज के साथ-साथ उनका मानवीय परिश्रम भी डूब जाता है और किसानों के सामने ऋण अदा करने की मजबूरी होती है। हाल ही में आयी प्राकृतिक आपदा से देश के अन्नदाता किसान के सभी सपने चूर-चूर हो गए हैं तथा अब वे अपनी विपन्न स्थिति से इतना हताश और निराश हो चुके हैं कि वे आत्महत्या जैसे दुर्भाग्यपूर्ण कदम उठा रहे हैं। इस संबंध में किसानों को राहत पहुंचाने के लिए समुचित कदम उठाया जाना एक संतोषजनक पहल है।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि सरकार आपदाग्रस्त जिलों में केंद्रीय टीमें भेजकर किसानों को हुए नुकसान का मौके पर जायजा लेकर उनके ऋण माफी की दिशा में तत्काल ठोस कदम उठाए।